

ईश्वरीय  
खजाना  
टीम  
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की  
भिन्न भिन्न युक्तियाँ  
बाबा की रोज  
जैसे मीठी थपकी है  
अन्तर्मन में  
जो समा ले इसे  
जीवन में उसकी सफलता  
शत प्रतिशत पक्की है...



**मीठे बच्चे - बाप  
आये हैं काँटों को  
फूल बनाने, बाप  
का प्यार काँटों से  
भी है, तो फूलों से  
भी है। काँटों को ही  
फूल बनाने की  
मेहनत करते हैं**





अब अपने से बातें करते रहो।  
ज़्यादा आवाज में आने की  
आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब  
तुमको वाणी से परे जाना है।

Sakar Murli - 19.02.2024



BRAHMA KUMARIS  
Education Wing, Mount Abu



/SakarMurliEssence



## पुराने संस्कारों को सम्पूर्ण रीति से समाप्त करने की विधि

**बापदादा- 28.03.2002**

अभी अपने मन का टाइमटेबुल फिक्स करो। मन को सदा बिजी रखो, खाली नहीं रखो। फिर मेहनत नहीं करनी पड़ती। ऊँचे-ते-ऊँचे भगवान के बच्चे हो, तो आपका एक-एक सेकण्ड का टाइमटेबुल फिक्स होना चाहिए। क्यों नहीं बिन्दी लगती, उसका कारण क्या? ब्रेक पॉवरफुल नहीं है। शक्तियों का स्टॉक जमा नहीं है इसीलिए सेकण्ड में स्टॉप नहीं कर सकते। कई बच्चे कोशिश बहुत करते हैं, जब बापदादा देखते हैं मेहनत बहुत कर रहे हैं, यह नहीं हो, यह नहीं हो... कहते हैं नहीं हो लेकिन होता रहता है। बापदादा को बच्चों की मेहनत अच्छी नहीं लगती। कारण यह है, जैसे देखा रावण को मारते भी हैं, लेकिन सिर्फ मारने से छोड़ नहीं देते हैं, जलाते हैं और जलाके फिर हड्डियाँ जो हैं, वह आजकल तो नदी में डाल देते हैं। कोई भी मनुष्य मरता है तो हड्डियाँ भी नदी में डाल देते हैं तभी समाप्ति होती है। तो आप क्या करते हो? ज्ञान की प्वाइंट्स से, धारणा की प्वाइंट्स से उस बात रूपी रावण को मार तो देते हो लेकिन योग अग्नि में स्वाहा नहीं करते हो। और फिर जो कुछ बातों की हड्डियाँ बच जाती है ना - वह ज्ञान सागर बाप को अर्पण कर दो। तीन काम करो - एक काम नहीं करो। आप समझते हो पुरुषार्थ तो किया ना, मुरली भी पढ़ी, 10 बार मुरली पढ़ी फिर भी आ गई क्योंकि आपने योग अग्नि में जलाया नहीं, स्वाहा नहीं किया। अग्नि के बाद नाम निशान गुम हो जाता है फिर उसको भी बाप सागर में डाल दो, समाप्त। इसलिए इस वर्ष में बापदादा हर बच्चे को व्यर्थ से मुक्त देखने चाहते हैं। मुक्त वर्ष मनाओ। जो भी कमी हो, उस कमी को मुक्ति दो, क्योंकि जब तक मुक्ति नहीं दी है ना, तो मुक्तिधाम में बाप के साथ नहीं चल सकेंगे।





## अव्यक्त शिक्षाएँ

दिव्य नेत्र शक्तिशाली यंत्र भी है। जिस द्वारा जो जैसा है, आत्मिक रूप को आत्मा की विशेषता को सहज और स्पष्ट देख सकते हो। शरीर के अन्दर विराजमान गुप्त आत्मा को ऐसे देख सकते जैसे स्थूल नेत्रों द्वारा स्थूल शरीर को देखते हो। दिव्य नेत्र द्वारा दिव्य सूक्ष्म आत्मा ही दिखाई देगी। जैसे नेत्र दिव्य है तो विशेषता अर्थात् गुण भी दिव्य है। अवगुण कमज़ोरी है। कमज़ोर नेत्र कमज़ोरी को देखते हैं। जैसे स्थूल नेत्र कमज़ोर होता है तो काले-काले दाग दिखाई देते हैं। ऐसे कमज़ोर नेत्र अवगुण के कालेपन को देखते हैं। बापदादा ने कमज़ोर नेत्र नहीं दिया है। स्वयं ने ही कमज़ोर बनाया है। वास्तव में यह शक्तिशाली यंत्र रूपी नेत्र चलते-फिरते नैचुरल रूप में सदा आत्मिक रूप को ही देखते। मेहनत नहीं करनी पड़ती कि यह शरीर है या आत्मा है। यह है या वह है। यह कमज़ोर नेत्र की निशानी है जैसे साइन्स वाले शक्तिशाली ग्लासेज द्वारा सभी जर्मस को स्पष्ट देख सकते हैं। ऐसे यह शक्तिशाली दिव्य नेत्र माया की बीमारी को पहले से ही जान समाप्त कर सदा निरोगी रहते हैं।

See the world as your family  
& your complaints will  
change into compassion.



BRAHMA KUMARIS







B. K. SHIVANI

किसी ने हमें डाँटा, कितनी देर में मन ठीक होगा...

Depends on किसने डाँटा

Depends on क्यूँ डाँटा

Depends on कैसे और कितना डाँटा

Depends on किसके सामने डाँटा

हमारे मन के घाव और उनका मरहम

दूसरों के व्यवहार पर निर्भर है ...

यह हमारा भ्रम है, सत्य यह है की -

It Depends ONLY and ONLY on ME.



**स्लोगन:-ज्ञान  
रत्नों से, गुणों  
और शक्तियों से  
खेलो, मिट्टी से  
नहीं**





## **Brahma Kumaris Websites**

Main BK website [www.shivbabas.org](http://www.shivbabas.org) OR  
[www.brahmakumari.org](http://www.brahmakumari.org) (by SBS team)

Int'l website: [www.brahmakumaris.org](http://www.brahmakumaris.org)

India website: [www.brahmakumaris.com](http://www.brahmakumaris.com)

BK Sustenance website:  
[www.bksustenance.net](http://www.bksustenance.net)

All Data hosted on [www.bkdrluhar.com](http://www.bkdrluhar.com)

Murli Websites: [babamurli.net](http://babamurli.net)  
and [madhubanmurli.org](http://madhubanmurli.org)

[www.omshantimusic.net](http://www.omshantimusic.net)

[www.bkgoogle.org](http://www.bkgoogle.org)

[www.bksewa.org](http://www.bksewa.org)

[www.bkinfo.in](http://www.bkinfo.in)

[www.bk.ooo](http://www.bk.ooo)

[www.brahmakumari.org/centres](http://www.brahmakumari.org/centres)

NEW

[www.IshvariyaKhajana.BKhq.org](http://www.IshvariyaKhajana.BKhq.org)